मैथिली (100)
कक्षा - 12

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक [redacted]
24-02-21

1. प्रकरण - जानकी - परिणय

कवि लालदासक परिचय: चूड़ामणि दास हिनक ख्यात-विख्यात लालदासक नामसँ भेलनि। हिनका समयमे उर्दू-फारसीक महत्व छल, कारण उर्दू-फारसी रोजगारोन्मुखी भाषा छल। कविवर लालदास एक मौलवीसँ उर्दू-फारसीक पूर्ण ज्ञान प्राप्त कयलनि। संगे अपन आदि गुरुसँ हिन्दी, मैथिलीक ज्ञान प्राप्त कयलनि। कविवरक पिता हिनका अंग्रेजीक ज्ञान प्राप्त नहि कर' देलनि, कारण हिनक सोच रहनि- कविवर लालदास हमर ज्येष्ठ पुत्र छथि, हिनकेंसँ हम जल-पिण्ड लेबाक अछि। जौं हिनका अंग्रेजी पढ़ायब त' निः सन्देह ई अपन धर्म-कर्म छोड़ि देताह। एहि कारणेँ कविवरकेँ संस्कृतक शिक्षा देअएलनि। कविवरकेँ संस्कृतमे भाषण ओ श्लोकक अपूर्व क्षमता भ' गेलनि। हिनक प्रिय ग्रंथ छलनि- वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण, मनुस्मृति, श्रीमद् भागवत, गीता, रामचरितमानस, विनय पत्रिका आदि।